भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2639

जिसका उत्तर 11 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है

घरेलू कोकिंग कोयला उत्पादन

2639. श्री बैजयंत पांडाः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान कुल घरेलू कोकिंग कोयला का कितना उत्पादन किया जाएगा तथा वर्ष 2025 के लिए अनुमानित लक्ष्य क्या हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान कोकिंग कोयला के आयात का ब्यौरा क्या है तथा इस आयात को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ग) मिशन कोकिंग कोल पहल के तहत निजी व्यक्तियों को नीलाम की गई नई कोकिंग कोयला खदानों की स्थिति क्या है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान कुल घरेलू कच्चे कोकिंग कोयले का उत्पादन 66.821 मिलियन टन (मि.ट.) है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए घरेलू कच्चे कोकिंग कोयला उत्पादन का लक्ष्य 77 मि.ट. है।

(ख) : पिछले तीन वर्षों के दौरान कोकिंग कोयला आयात का ब्यौरा निम्नानुसार है

(मात्रा मि.ट.में)

वर्ष	**कोकिंग**
2021-22	57.123
2022-23	56.053
2023-24	58.813

स्रोतः डीजीसीआईएस

कोयला मंत्रालय ने इन आयातों को कम करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

1. कोयला मंत्रालय ने इस्पात क्षेत्र की मांग के अनुमान को ध्यान में रखते हुए कोकिंग कोयले के आयात को कम करने के लिए घरेलू कोकिंग कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए मिशन कोकिंग कोल की शुरुआत की है। इस मिशन का लक्ष्य वित्त वर्ष 2029-30 तक घरेलू कच्चे कोकिंग कोयला उत्पादन को 140 मि.ट. तक बढ़ाना है।

2. वित्त वर्ष 2029-30 तक सीआईएल की सहायक कंपनियों से कच्चे कोकिंग कोयले का उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य लगभग 105 मि.ट. है, जो वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 60.43 मि.ट. था।

3. भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की मौजूदा पुरानी वॉशरियों, जिन्होंने अपने इष्टतम उपयोग के लिए निर्धारित मियाद को पार कर लिया है, का आधुनिकीकरण और नवीकरण।

4. 11.6 एमटीवाई की क्षमता वाली तीन नई वॉशरियां पहले ही चालू की जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, बीसीसीएल (07 एमटीवाई की संचयी क्षमता के साथ 03) और सीसीएल (14.5 एमटीवाई की संचयी क्षमता के साथ 05) द्वारा नई कोकिंग वॉशरियों की योजना बनाई गई है।

5. वॉशरी डेवलपर सह ऑपरेटर (डब्ल्यूडीओ) रूट के माध्यम से अपनी इष्टतम प्रचालन दक्षता के लिए बीसीसीएल (04 वॉशरियों) की पुरानी वॉशरियों का मुद्रीकरण।

6. इस्पात उत्पादन के लिए घरेलू कोकिंग कोयला को बढ़ावा देने हेतु गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) लिंकेज नीलामी के माध्यम से इस्पात क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति। कोकिंग कोयला आयात के प्रतिस्थापन के उद्देश्य से नीलामी प्रक्रिया में सुधारों का कार्यान्वयन।

7. कोयला मंत्रालय ने निजी क्षेत्र को कोकिंग कोयला के 14 ब्लॉकों की नीलामी की है। इन ब्लॉकों से वर्ष 2028-29 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

(ग) : वाणिज्यिक नीलामी व्यवस्था के तहत नामनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अब तक निजी कंपनियों को नीलाम की गई कोकिंग कोयला खानों का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

क्र.सं.	कोयला खान	राज्य	सफल आवंटिती	औसत ग्रेड
1	उरतन	मध्य प्रदेश	जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यू III, जी10

2	उरतन उत्तर	मध्य प्रदेश	जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यूIV, जी10
3	जोगेश्वर और खास जोगेश्वर	झारखंड	साउथ वेस्ट पिनेकल एक्सप्लोरेशन लिमिटेड	डब्ल्यूIV
4	बेहेराबंद उत्तर एक्सटेंशन	मध्य प्रदेश	ऑरो कोल प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यूIV, जी9
5	रबोडीह ओसीपी	झारखंड	ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यू-IV और जी10
6	बसंतपुर	झारखंड	गंगारामचक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यूIV
7	सीतानाला	झारखंड	जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड	डब्ल्यूII
8	चोरीटांड तिलैया	झारखंड	रूंगटा मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यूV
9	पर्वतपुर सेंट्रल	झारखंड	जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड	डब्ल्यूI
10	बाबूपारा पूर्व	झारखंड	रूंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यू-IV
11	दुनी सेंट्रल	झारखंड	बुल माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यू-IV
12	लालगढ़ दक्षिण	झारखंड	रूंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यू-IV
13	लामाटोला	मध्य प्रदेश	एसीसी लिमिटेड	डब्ल्यू-IV एवं जी10
14	दक्षिण दामुड़ा	झारखंड	रूंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड	डब्ल्यू-III एवं जी7

उपर्युक्त 14 खानों में से किसी ने भी उत्पादन शुरू नहीं किया है। तथापि, दो खानें, अर्थात उरतन और उरतन नॉर्थ को खान खोलने की अनुमति मिल गई है।

*****